

# N 917

Seat Number

|  |  |  |  |  |  |  |
|--|--|--|--|--|--|--|
|  |  |  |  |  |  |  |
|--|--|--|--|--|--|--|

2026 III 04 1100 -N 917- HINDI (15) (SECOND OR THIRD LANGUAGE) (H)  
(REVISED COURSE)

Time : 3 Hours

(Pages 19)

Max. Marks : 80

- सूचनाएँ :— (1) सूचनाओं के अनुसार गद्य, पद्य, पूरक पठन तथा भाषा अध्ययन (व्याकरण) की आकलन कृतियों में आवश्यकता के अनुसार आकृतियों में ही उत्तर लिखना अपेक्षित है।
- (2) सभी आकृतियों के लिए पेन/पेन्सिल का ही प्रयोग करें।
- (3) रचना विभाग में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखने के लिए आकृतियों की आवश्यकता नहीं है।
- (4) शुद्ध, स्पष्ट एवं सुवाच्य लेखन अपेक्षित है।

## विभाग 1—गद्य : 20 अंक

1. (अ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए :

8

गोवा! यह नाम सुनते ही सभी का मन तरंगायित हो उठता है और हो भी क्यों न, यहाँ की प्रकृति, आबोहवा और जीवनशैली का आकर्षण ही ऐसा है कि पर्यटक खुद-ब-खुद यहाँ खिंचे चले आते हैं। देश के एक कोने में स्थित होने के बावजूद यह छोटा-सा राज्य प्रत्येक पर्यटक के दिल की धड़कन है। यही कारण है कि मैं भी अपने परिवार के साथ इंदौर से गोवा जा पहुँचा। खंडवा से मेरे साढ़ू साहब भी सपरिवार हमारे साथ शामिल हो गए।

P.T.O.

## 2/N 917

23 नवंबर को जब 'गोवा एक्सप्रेस' मड़गाँव रुकी तो सुबह का उजास हो गया था। एक टैक्सी के हॉर्न ने मेरा ध्यान उसकी ओर खींचा और हम फटाफट उसमें बैठ गए। टैक्सी एक पतली-सी सड़क पर दौड़ पड़ी। शीतल हवा के झोंकों से मन प्रसन्न हो गया और यात्रा की सारी थकान मिट गई। मैं सोचने लगा कि पर्यटन का भी अपना ही आनंद है। जब हम जीवन की कई सारी समस्याओं से जूझ रहे हों तो उनसे निजात पाने का सबसे अच्छा तरीका पर्यटन ही है। बदले हुए वातावरण के कारण मन तरोताजा हो जाता है तथा शरीर को कुछ समय के लिए विश्राम मिल जाता है।

(1) एक/दो शब्दों में उत्तर लिखिए :

2

- (i) लेखक के साढ़ू साहब का शहर .....
- (ii) लेखक का शहर .....
- (iii) लेखक इस स्टेशन पर उतरे .....
- (iv) लेखक ने इस रेल से सफर किया .....

(2) निम्नलिखित गलत विधानों को सही करके लिखिए :

2

- (i) टैक्सी एक बड़ी-सी सड़क पर दौड़ी।
- (ii) बदले हुए वातावरण के कारण मन तरोताजा नहीं हो जाता है।

**3/N 917**

Seat Number

|  |  |  |  |  |  |  |
|--|--|--|--|--|--|--|
|  |  |  |  |  |  |  |
|--|--|--|--|--|--|--|

(3) गद्यांश से ढूँढ़कर लिखिए :

(i) अँग्रेजी शब्द :

1

(1) .....

(2) .....

(ii) उपसर्गयुक्त शब्दों के मूल शब्द :

1

उपसर्गयुक्त शब्द

मूल शब्द

अप्रसन्न

.....

असमय

.....

(4) 'निजात पाने का सबसे अच्छा तरीका पर्यटन है' विषय पर 25 से 30 शब्दों में अपने विचार लिखिए।

2

(आ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए :

8

प्रिय सरोज,

तुम्हारा 16 से 18 तक लिखा हुआ पत्र आज अभी मिला। इस महीने में मैंने इन तारीखों को पत्र लिखे हैं—तारीख 1, 9, 15 और चौथा आज लिख रहा हूँ। अब तुमको हर सप्ताह मैं लिखूँगा ही। तुम्हारी तबीयत कमजोर है तब तक चिरंजीव रैहाना मुझे पत्र लिखेगी तो चलेगा। मुझे हर सप्ताह एक पत्र मिलना ही चाहिए।

P.T.O.

## 4/N 917

पूज्य बापू जी चाहते हैं तो हिंदू-मुस्लिम एकता के लिए मुझे अपनी सारी शक्ति उर्दू सीखने के पीछे खर्च करनी चाहिए। तुमको मैंने एक संदेश भेजा था कि तुम उर्दू लिखना सीखो। लेकिन अब तो मेरा एक ही संदेश है-पूरा आराम लेकर पूरी तरह ठीक हो जाओ।

तारों के नक्शे बनाने के लिए कंपास बॉक्स भी मँगाकर रखा है। लेकिन अब तक कुछ हो नहीं पाया है।

मैंने अपने फूल के गमले अपने पास से निकाल दिए हैं। सादे क्रोटन को ही रहने दिया है।

सबको काका का सप्रेम शुभाशीष

(‘काका कालेलकर ग्रंथावली’ से)

(1) संजाल पूर्ण कीजिए :

2

|  |                               |  |
|--|-------------------------------|--|
|  |                               |  |
|  | गद्यांश में<br>उल्लेखित पात्र |  |
|  |                               |  |

**5/N 917**

Seat Number

|  |  |  |  |  |  |  |
|--|--|--|--|--|--|--|
|  |  |  |  |  |  |  |
|--|--|--|--|--|--|--|

(2) उत्तर लिखिए :

2

काका कालेलकर जी द्वारा सरोज को दिया हुआ संदेश—

(i) .....

(ii) .....

(3) गद्यांश से ढूँढ़कर लिखिए :

(i) कृदंत शब्द :

1

(1) .....

(2) .....

(ii) प्रत्यययुक्त शब्दों के मूल शब्द :

1

प्रत्यययुक्त शब्द

मूल शब्द

कमजोरी

.....

साप्ताहिक

.....

(4) 'अपने भावों, विचारों को अभिव्यक्त करने का सशक्त माध्यम पत्र' विषय

पर 25 से 30 शब्दों में अपने विचार लिखिए।

2

P.T.O.

## 6/N 917

- (इ) निम्नलिखित अपठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए :

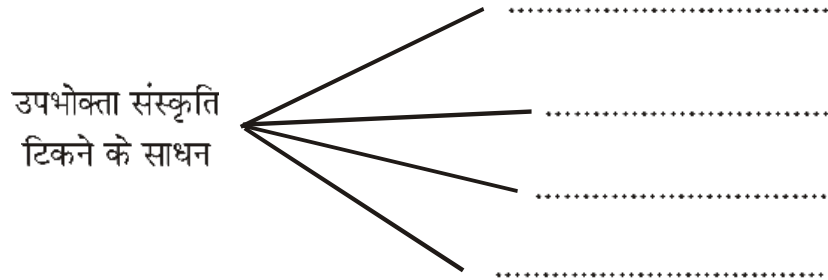
4

आज का युग और संस्कृति विज्ञापन क्रांति से व्याप्त है। आज की जीवनशैली उपभोक्ता संस्कृति की है। यह अधिक से अधिक पैसा, सुविधाएँ, मनोरंजन और आराम के साधनों पर टिकी है। अतः इसकी संवाहक शिराएँ हैं प्रचार-प्रसार का साधन तथा विज्ञापनों की चरम विकसित कला। इसका साम्राज्य फैला हुआ है। कई वर्गों के लिए तो विज्ञापन जरूरत बन गया है। जैसे, विद्यार्थियों को विभिन्न विद्यालयों में प्रवेश के लिए आवेदनों का एकत्रीकरण करना। इसके अलावा सरकारी, अर्द्ध-सरकारी सूचनाओं से लेकर संवाद, गोष्ठी, नाटक, सिनेमा की समस्त जानकारी विज्ञापन से मिलती है।

विज्ञापन का प्रभाव उपभोक्ता, विक्रेताओं तथा समाज के अन्य वर्गों पर गहरा पड़ता है। वर्तमान समय में विज्ञापन प्रमुख उद्देश्यों की पूर्ति करता है।

- (1) उत्तर लिखिए :

2



- (2) 'विज्ञापन एक कला' विषय पर 25 से 30 शब्दों में अपने विचार लिखिए।

2

7/N 917

Seat Number

|  |  |  |  |  |  |  |
|--|--|--|--|--|--|--|
|  |  |  |  |  |  |  |
|--|--|--|--|--|--|--|

विभाग 2—पद्य : 12 अंक

2. (अ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए :

6

चाहे सभी सुमन बिक जाएँ चाहे ये उपवन बिक जाएँ  
चाहे सौ फागुन बिक जाएँ पर मैं गंध नहीं बेचूँगा।  
अपनी गंध नहीं बेचूँगा ॥

जिस डाली ने गोद खिलाया जिस कोंपल ने दी अरुणाई  
लछमन जैसी चौकी देकर जिन काँटों ने जान बचाई  
इनको पहिला हक आता है चाहे मुझको नोचें-तोड़ें  
चाहे जिस मालिन से मेरी पँखुरियों के रिश्ते जोड़ें  
ओ मुझपर मँड़राने वालो मेरा मोल लगाने वालो  
जो मेरा संस्कार बन गई वो सौगंध नहीं बेचूँगा।  
अपनी गंध नहीं बेचूँगा ॥

- (1) उत्तर लिखिए :

- (i) पद्यांश में उल्लेखित :

1

संख्या                      महीना

.....

- (ii) फूल को नोचने-तोड़ने का अधिकार इन्हें है :

1

.....

P.T.O.

## 8/N 917

(2) (i) निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द पद्यांश से ढूँढ़कर लिखिए : 1

(1) दुर्गंध × .....

(2) पराई × .....

(ii) वचन पहचानकर लिखिए : 1

(1) काँटे .....

(2) डाली .....

(3) उपर्युक्त पद्यांश की प्रथम चार पंक्तियों का सरल अर्थ 25 से 30 शब्दों में लिखिए। 2

(आ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ

कीजिए :

6

मेरे तो गिरधर गोपाल, दूसरो न कोई  
जाके सिर मोर मुकट, मेरो पति सोई  
छोड़ि दई कुल की कानि, कहा करिहै कोई ?  
संतन ढिग बैठि-बैठि, लोक लाज खोई।  
अँसुवन जल सींचि-सींचि प्रेम बेलि बोई।  
अब तो बेल फ़ैल गई आणँद फल होई॥

9/N 917

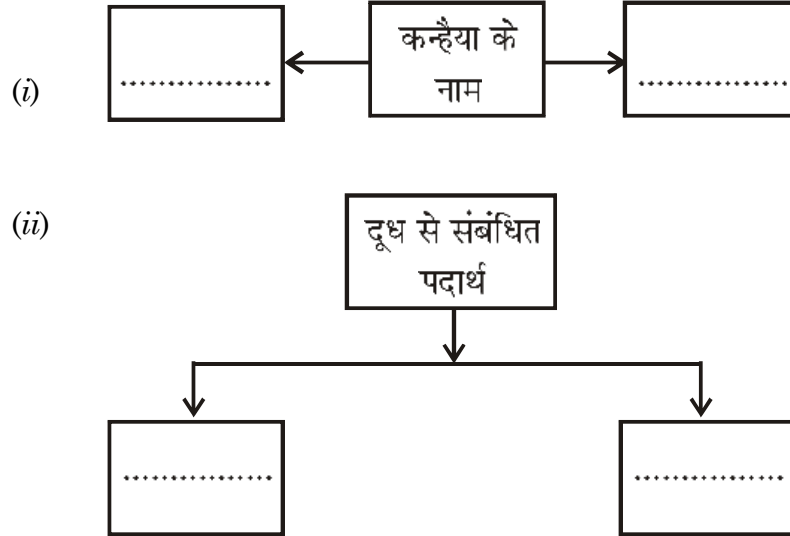
Seat Number

|  |  |  |  |  |  |  |
|--|--|--|--|--|--|--|
|  |  |  |  |  |  |  |
|--|--|--|--|--|--|--|

दूध की मथनियाँ बड़े प्रेम से बिलोई।  
माखन जब काढ़ि लियो छछ पिये कोई॥  
भगत देखि राजी हुई जगत देखि रोई।  
दासी 'मीरा' लाल गिरिधर तारो अब मोही॥

(1) कृति पूर्ण कीजिए :

2



(2) पद्यांश से ढूँढ़कर लिखिए :

(i) इस अर्थ के शब्द—

1

(1) निकट —

(2) मयूर —

P.T.O.

## 10/N 917

(ii) लिंग परिवर्तन कीजिए—

1

(1) पत्नी

(2) दास

(3) उपर्युक्त पद्यांश की अपनी पसंद की क्रमशः चार पंक्तियों का सरल अर्थ लिखिए।

2

### विभाग 3—पूरक पठन : 8 अंक

3. (अ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए :

4

खेती-बारी के समय, गाँव के किसान सिरचन की गिनती नहीं करते। लोग उसको बेकार ही नहीं, 'बेगार' समझते हैं। इसलिए खेत-खलिहान की मजदूरी के लिए कोई नहीं बुलाने जाता है सिरचन को। क्या होगा, उसको बुलाकर ? दूसरे मजदूर खेत पहुँचकर एक-तिहाई काम कर चुकेंगे, तब कहीं सिरचन राय हाथ में खुरपी डुलाता हुआ दिखाई पड़ेगा; पगडंडी पर तौल-तौलकर पाँव रखता हुआ, धीरे-धीरे। मुफ्त में मजदूरी देनी हो तो और बात है।

11/N 917

Seat Number

|  |  |  |  |  |  |  |
|--|--|--|--|--|--|--|
|  |  |  |  |  |  |  |
|--|--|--|--|--|--|--|

आज सिरचन को मुफ्तखोर, कामचोर या चटोर कह ले कोई। एक समय था, जब उसकी मड़ैया के पास बाबू लोगों की सवारियाँ बैधी रहती थीं। उसे लोग पूछते ही नहीं थे, उसकी खुशामद भी करते थे। “अरे, सिरचन भाई! अब तो तुम्हारे ही हाथ में यह कारीगरी रह गई है सारे इलाके में। एक दिन का समय निकालकर चलो। बड़े भैया की चिट्ठी आई है शहर से—सिरचन से एक जोड़ा चिक बनाकर भेज दो।”

(1) कृति पूर्ण कीजिए :

(i) लोग सिरचन को कहते हैं—

1

(1) .....

(2) .....

(ii) लोग सिरचन को समझते हैं—

1

(1) .....

(2) .....

(2) ‘कोई भी काम छोटा या बड़ा नहीं होता’ विषय पर 25 से 30 शब्दों में अपने विचार लिखिए।

2

P.T.O.

## 12/N 917

(आ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए :

4

हम उस धरती के लड़के हैं, जिस धरती की बातें  
क्या कहिए; अजी क्या कहिए; हाँ क्या कहिए।  
यह वह मिट्टी, जिस मिट्टी में खेले थे यहाँ ध्रुव-से बच्चे।  
यह मिट्टी, हुए प्रह्लाद जहाँ, जो अपनी लगन के थे सच्चे।  
शेरों के जबड़े खुलवाकर, थे जहाँ भरत दतुली गिनते,  
जयमल-पत्ता अपने आगे, थे नहीं किसी को कुछ गिनते!  
इस कारण हम तुमसे बढ़कर, हम सबके आगे चुप रहिए।  
अजी चुप रहिए, हाँ चुप रहिए। हम उस धरती के लड़के हैं.....

(1) विशेषताओं के आधार पर पहचानिए :

2

(i) किसी को कुछ न गिनने वाला —→

(ii) अपनी लगन का सच्चा —→

(iii) इस मिट्टी में खेलने वाला —→

(iv) शेरों के जबड़े खुलवाकर दाँत गिनने वाला —→

(2) 'सफलता के लिए लगन की आवश्यकता' विषय पर 25 से 30 शब्दों में अपने विचार लिखिए।

2

13/N 917

Seat Number

|  |  |  |  |  |  |  |
|--|--|--|--|--|--|--|
|  |  |  |  |  |  |  |
|--|--|--|--|--|--|--|

विभाग 4—भाषा अध्ययन (व्याकरण) : 14 अंक

4. सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए :

14

(1) अधोरेखांकित शब्द का शब्दभेद पहचानकर लिखिए :

1

इसे लेकर तुम क्या करोगे ?

(2) निम्नलिखित अव्ययों में से किसी एक अव्यय का अर्थपूर्ण वाक्य में प्रयोग कीजिए :

1

(i) परंतु

(ii) अरे!

(3) कृति पूर्ण कीजिए :

1

| शब्द      | संधि-विच्छेद | संधि भेद |
|-----------|--------------|----------|
| निस्संदेह | .....        | .....    |
| अथवा      |              |          |
| .....     | सूर्य + अस्त | .....    |

P.T.O.

## 14/N 917

- (4) निम्नलिखित वाक्यों में से किसी एक वाक्य की सहायक क्रिया पहचानकर उसका मूल रूप लिखिए :

1

- (i) उनके रीति-रिवाजों का अध्ययन करना पड़ा।
- (ii) उन्होंने पुस्तक लौटा दी।

| सहायक क्रिया | मूल क्रिया |
|--------------|------------|
| .....        | .....      |

- (5) निम्नलिखित में से किसी एक क्रिया का प्रथम तथा द्वितीय प्रेरणार्थक रूप लिखिए :

1

| क्रिया     | प्रथम प्रेरणार्थक रूप | द्वितीय प्रेरणार्थक रूप |
|------------|-----------------------|-------------------------|
| (i) फैलना  | .....                 | .....                   |
| (ii) जुटना | .....                 | .....                   |

- (6) निम्नलिखित मुहावरों में से किसी एक मुहावरे का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए :

1

मुहावरा

अर्थ

- (i) जेब ढीली होना .....  
वाक्य—
- (ii) गला फाड़ना .....  
वाक्य—

15/N 917

Seat Number

|  |  |  |  |  |  |  |
|--|--|--|--|--|--|--|
|  |  |  |  |  |  |  |
|--|--|--|--|--|--|--|

अथवा

अधोरेखांकित वाक्यांश के लिए कोष्ठक में दिए मुहावरों में से उचित मुहावरे का चयन करके वाक्य फिर से लिखिए :

(दाद देना, टाँग अड़ाना)

युवक के सही उत्तर की अधिकारियों ने प्रशंसा की।

- (7) निम्नलिखित वाक्यों में प्रयुक्त कारकों में से कोई एक कारक पहचानकर उसका भेद लिखिए :

1

(i) हमारे शहर में एक कवि हैं।

(ii) बुद्धिराम स्वभाव से सज्जन थे।

| कारक चिह्न | कारक भेद |
|------------|----------|
| .....      | .....    |

- (8) निम्नलिखित वाक्य में यथास्थान उचित विराम-चिह्नों का प्रयोग करके वाक्य फिर से लिखिए :

1

ओह कंबख्त ने कितनी बेदर्दी से पीटा है

- (9) निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं दो वाक्यों का सूचना के अनुसार काल परिवर्तन करके वाक्य फिर से लिखिए :

2

(i) वे पुस्तक शांति से पढ़ते हैं।

(अपूर्ण भूतकाल)

P.T.O.

## 16/N 917

(ii) आप इतनी देर से नाप-तौल करते हैं।

(पूर्ण वर्तमानकाल)

(iii) मानू को ससुराल पहुँचाने में जा रहा था।

(सामान्य भविष्यकाल)

(10) (i) निम्नलिखित वाक्य का रचना के आधार पर भेद पहचानकर लिखिए : 1

उसे देख-देख बड़ा जी करता कि मौका मिलते ही उसे चलाऊँ।

(ii) निम्नलिखित वाक्यों में से किसी एक वाक्य का अर्थ के आधार पर दी गई सूचनानुसार परिवर्तन कीजिए : 1

(1) मैं आज रात खाना नहीं खाऊँगा।

(विधानार्थक वाक्य)

(2) थोड़ी बातें हुई।

(आज्ञार्थक वाक्य)

(11) निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं दो वाक्यों को शुद्ध करके वाक्य फिर से लिखिए : 2

(i) गोवा के बीच पर घूमने में बड़ी मजा आई।

(ii) लड़का, पिता जी और माँ बाजार को गई।

(iii) आचार्य अपनी शिष्यों को मिलना चाहते थे।

17/N 917

Seat Number

|  |  |  |  |  |  |  |
|--|--|--|--|--|--|--|
|  |  |  |  |  |  |  |
|--|--|--|--|--|--|--|

**विभाग 5—रचना विभाग (उपयोजित लेखन) : 26 अंक**

सूचना :— आवश्यकतानुसार परिच्छेद में लेखन अपेक्षित है।

5. सूचनाओं के अनुसार लेखन कीजिए :

26

(अ) (1) पत्रलेखन :

5

सागर/सागरिका सोनवणे, 204 अ, संत ज्ञानेश्वर नगर, नांदगांव से विज्ञान प्रदर्शनी में प्रथम पुरस्कार प्राप्त होने के उपलक्ष्य में बधाई देते हुए अपने मित्र/सहेली सोहन/सुहानी यादव बस स्टैंड रोड, सिल्लोड को पत्र लिखता/लिखती है।

अथवा

मोहन/मोहिनी दाभाडे, 55 अरिहंत नगर, पुणे से हो रही अशुद्ध जलपूर्ति के बारे में आयुक्त महानगरपालिका, पुणे को शिकायत पत्र लिखता/लिखती है।

(2) गद्य आकलन - प्रश्न निर्मिति :

4

निम्नलिखित गद्यांश पढ़कर ऐसे चार प्रश्न तैयार कीजिए जिनके उत्तर गद्यांश में एक-एक वाक्य में हों :

सुश्री टेसी थॉमस शांत-निश्चल शहर अलप्पुझा (केरल) की हैं, जो अपने प्राकृतिक सौंदर्य के लिए प्रसिद्ध हैं और अप्रवाही जल (बैक वॉटर्स) पर तैरते शिकारे (हाऊसबोट्स) देखने में आनंद अनुभव करने वाले पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र हैं। बचपन से ही उन्हें विज्ञान और गणित से प्रेम रहा। तिरुवनंतपुरम के बाह्यांचल पर स्थित थुंबा से रॉकेट लांच होते देख वे आश्चर्य से भर उठतीं। वे याद करते हुए बताती हैं कि 1985 में उन्हें रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डी.आर.डी.ओ.) के एक

P.T.O.

## 18/N 917

कार्यक्रम के लिए भारतभर से चुने गए 10 युवाओं में शामिल किया गया। वे उससे जुड़ी कोई चीज नहीं भूलें क्योंकि उसने उन्हें मिसाइलों के संसार का निकटता से दर्शन करने का अवसर उपलब्ध कराया। उस समय वे इस संगठन का एक अंग बनने का सपना देखा करतीं, जो बाद में न केवल उनकी सेवाओं से लाभान्वित हुआ, बल्कि जिसने आश्चर्यजनक और विलक्षण प्रतीत होने वाले कार्य संपन्न करने के लिए उनके समस्त अनुभव और विशेषता का उपयोग किया।

(आ) (1) वृत्तांत लेखन :

5

कै. बापूसाहेब पाटील विद्यालय, लातूर में मनाए गए 'बालदिवस' समारोह का 70 से 80 शब्दों में वृत्तांत लेखन कीजिए।

(वृत्तांत में स्थल, काल, घटना का उल्लेख होना अनिवार्य है)

अथवा

कहानी लेखन :

निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर 70 से 80 शब्दों में कहानी लिखकर उसे उचित शीर्षक दीजिए तथा सीख लिखिए :

घना जंगल — विशाल और घने वृक्षों पर पंछियों का बसेरा — रोज पंछियों का बच्चों के लिए दाना चुगने उड़ जाना — हर बार जाते समय बच्चों को समझाना — फँसना नहीं, बहेलिया आएगा, जाल बिछाएगा, बच्चों द्वारा इसे केवल रटना — रटते-रटते एक दिन पेड़ से नीचे उतरना — दाने देखकर खुश होना — माँ की सीख याद आना — चौकन्ना होना — सावधान होकर उड़ जाना — बहेलिए का पछताना — शीर्षक।

19/N 917

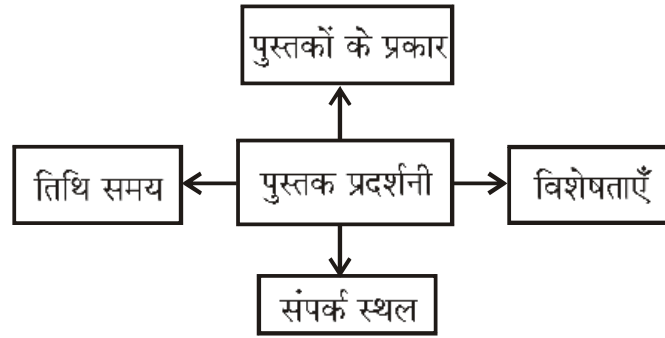
Seat Number

|  |  |  |  |  |  |
|--|--|--|--|--|--|
|  |  |  |  |  |  |
|--|--|--|--|--|--|

(2) विज्ञापन लेखन :

5

निम्नलिखित जानकारी के आधार पर 50 से 60 शब्दों में विज्ञापन तैयार कीजिए :



(इ) निबंध लेखन :

7

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर 80 से 100 शब्दों में निबंध लिखिए :

- (1) जल है तो कल है।
- (2) आज़ादी का अमृत महोत्सव।
- (3) पेड़ की आत्मकथा।